वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी अपने देशों के लिए रवाना

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज दोनों देशों के आखिरी ट्रैवल ग्रुप की सुरक्षित वापसी की पुष्टि की है। दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ी मिडिल ईस्ट में चल रहे संकट की वजह से टी20 विश्व कप 2026 की समाप्ति के बाद भी भारत में फंसे हुए थे।

आईसीसी ने कहा, पिछले 24 घंटों में, दक्षिण अफ्रीका के बचे हुए 29 सदस्य और वेस्टइंडीज के 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए फ्लाइट से रवाना हो गए हैं, जिससे एक मुश्किल ऑपरेशन खत्म हो गया है। मिडिल ईस्ट में चल रही समस्या की वजह से खिलाड़ियों की वापसी में समस्या उत्पन्न हुई थी।

आईसीसी ने कहा, हम क्रिकेट साउथ अफ्रीका, क्रिकेट वेस्टइंडीज और उनकी पूरी टीम को इस पूरी प्रक्रिया में उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हैं। आईसीसी स्टाफ भी धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों, स्टाफ और उनके परिवार की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की। आईसीसी ने बुधवार को बताया था कि चार दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी और परिवार के पांच सदस्य फ्लाइट लेकर घर जा रहे हैं। उनके ग्रुप के बाकी सभी 29 सदस्यों के अगले 24 घंटों में निकलने की उम्मीद है। बोर्ड ने कहा कि उनका पहला मकसद सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना था, जिसमें हालात बदलने के साथ लगातार बदलाव करना शामिल था।

आईसीसी की ऑपरेशन और लॉजिस्टिक्स टीमों ने मुश्किल वैश्विक ट्रैवल हालात की वजह से होने वाली दिक्कतों का प्रबंधन करने के लिए सरकारों, एयरलाइंस, चार्टर प्रोवाइडर्स, एयरपोर्ट अथॉरिटीज और उनके सदस्य बोर्ड्स के साथ लगातार मिलकर काम किया। वेस्टइंडीज टीम के नौ सदस्य पहले ही कैरिबियन के लिए निकल चुके थे, जबकि बाकी 16 ने अगले 12 घंटों में भारत से निकलने के लिए अपनी फ्लाइट बुक कर ली थीं। खिलाड़ियों की घर वापसी में विलंब खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संकट के कारण हुई। खाड़ी क्षेत्र में आई समस्या की वजह से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में बड़े पैमाने पर रुकावटें आई हैं। इसमें एयरस्पेस बंद होना, मिसाइल अलर्ट, रूट बदलने की दिक्कतें, और कमर्शियल और चार्टर दोनों तरह की फ्लाइट्स का अचानक स्थगित होना या रीशेड्यूल होना शामिल है। आईसीसी ने कहा कि यात्रा से संबंधित समस्या उसके नियंत्रण से बाहर थी।

ओलंपिक डे पर 2036 पेड़ लगाने का आह्वान, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश करें भागीदारी

नई दिल्ली । इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) ने सभी जुड़े हुए राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के ओलंपिक एसोसिएशन से अपील की है कि वे इस साल के ओलंपिक डे सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर पेड़ लगाने का एक कैंपेन चलाएं, जिसमें हर एसोसिएशन 2036 पेड़ लगाएगा।

अध्यक्ष पी. टी. उषा की तरफ से आईओए ने जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि इस पहल का मकसद ओलंपिक मूवमेंट की सतत विकास और पर्यावरण की जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाना है। साथ ही देश भर के समुदायों को पर्यावरण से जुड़े सार्थक कामों के जरिए ओलंपिक डे मनाने के लिए बढ़ावा देना है।

प्रेस रिलीज में कहा गया है कि देश भर में पेड़ लगाने की यह मुहिम अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी की ओलंपिक वन पहल के साथ है और यह खेल के जरिए पर्यावरण की देखभाल के लिए भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता को दिखाता है। 2036 पेड़ों का सांकेतिक पौधारोपण ओलंपिक मूवमेंट और सतत भविष्य बनाने

की इच्छा को दिखाता है।

राज्य और केंद्रशासित प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन को स्थानीय खेल निकाय, शैक्षणिक संस्थान, एथलीट, युवा संस्थाएं और सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने के लिए बढ़ावा दिया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी और लंबे समय तक चलने वाला असर पक्का हो सके। कम्युनिटी की भागीदारी को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए खेल सुविधा, स्कूल, पार्क और दूसरी सार्वजनिक जगहों पर पेड़ लगाने का काम किया जा सकता है।

यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण विकास को बढ़ावा देते हुए खेल के जरिए एक बेहतर और स्वस्थ दुनिया बनाने के ओलंपिक मूवमेंट के विजन को मजबूत करती है। ओलंपिक डे खेल और सक्रिय रहने का एक वैश्विक सेलिब्रेशन है। यह हर साल 23 जून को इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की स्थापना की याद में मनाया जाता है। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी स्थापना 1894 में हुई थी। पहला ओलंपिक डे 1948 में मनाया गया था।

आईपीएल 2026 से पहले पंजाब किंग्स ने लॉन्च की नई जर्सी, शेर और हीरे का खास डिजाइन

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने अपनी नई मैच जर्सी लॉन्च कर दी है। इस बार जर्सी में लाल और नीले रंग प्रमुख हैं, और बीच में शेर का डिज़ाइन है, जो आगे बढ़ते ही हीरे के आकार के पैटर्न में बदल जाता है। टीम का कहना है कि शेर आक्रामकता और प्रतिभा का प्रतीक है, जबकि हीरे दर्शाते हैं कि प्रशिक्षण और उच्च प्रदर्शन के दबाव में प्रतिभा कैसे तराशकर निखरती है।

टीम की कमान भारत के वनडे उप-कप्तान श्रेयस अय्यर के हाथों में है। पिछले सीजन रिकी पोंटिंग की कोचिंग में पंजाब किंग्स फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हारकर रनर-अप रही। इस सीजन का पहला मैच 31 मार्च को न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह पीसीए स्टेडियम में आईपीएल 2022 की विजेता गुजरात जायंट्स के खिलाफ होगा। इसके बाद 3

अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स, 6 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स और 11 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से मुकाबला होगा।

टीम ने 16-20 जनवरी तक उदयपुर और 8-14 फरवरी तक अबू धाबी में प्री-सीजन कैंप किया। फिलहाल पंजाब किंग्स धर्मशाला में अपने दूसरे प्री-सीजन कैंप में हैं, जो आईपीएल 2026 की तैयारियों का हिस्सा है।

यह नई जर्सी टीम के नए उत्साह और आक्रामक रवैये को दर्शाती है, और प्रशंसकों के लिए इस सीजन का रोमांच बढ़ाएगी।

जसप्रीत बुमराह बोले: बैक टू बैक टी20 विश्व कप जीतने का एहसास अद्भुत

नई दिल्ली। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2024 के बाद टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि वह हमेशा चुनौतीपूर्ण काम करना चाहते थे। इसी वजह से उन्होंने क्रिकेट को चुना। बुमराह ने कहा है कि कुछ अलग कर पाना उन्हें बहुत खुशी देता है।

बीसीसीआई टीवी पर शेयर किए गए एक वीडियो में जसप्रीत बुमराह ने कहा, मैं कभी पीछे नहीं छिपना चाहता। मैं चीजों के बीच रहना चाहता हूं। मैं हमेशा एक मुश्किल काम करना चाहता था। मैंने क्रिकेट उसी के लिए खेलना शुरू किया। जब मैं कुछ अलग कर पाता हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है। इससे बेहतर कोई एहसास नहीं हो सकता। मैंने अपना क्रिकेट अहमदाबाद में ही शुरू किया और सारा क्रिकेट यहीं खेला। गुजरात के लिए खेलकर रैंक में ऊपर आया। अब यहां विश्व कप खेल रहा हूं और मैन ऑफ द मैच बन रहा हूं। पिछली बार हम बस पीछे रह गए थे, इस बार हम आगे निकल गए। मैं बहुत खुश हूं।

बुमराह ने कहा, मेरा बेटा आया, वह पिछली बार भी वहां था। इस बार, वह वहां था, मेरी मां आई थी, जो बहुत खास था। मुझे पूरे सर्कल के बारे में नहीं पता, लेकिन सच में बहुत खुश हूं। लगातार दो विश्व कप कभी नहीं हुए। भगवान सच में बहुत दयालु हैं, और मैं इससे ज्यादा शुक्रगुजार नहीं हो सकता।

भारतीय टीम ने 8 मार्च को टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरा टी20 विश्व कप जीता। लगातार 2 टी20 विश्व कप और कुल तीन टी20 विश्व कप जीतने वाली भारत पहली टीम है। इसके साथ ही अपने घर में टी20 विश्व कप जीतने वाली भी भारतीय टीम पहली टीम है।

सेमीफाइनल में बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले बुमराह ने फाइनल में भी शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट लिए। इस शानदार और यादगार प्रदर्शन के लिए बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप: गुंजन, राधामणि और चंद्रिका ने भारत के लिए जीत दर्ज की

बैंकॉक। भारतीय मुक्केबाज गुंजन, राधामणि लोंगजाम और चंद्रिका पुजारी ने वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप 2026 के पांचवें दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की।

सुबह के सत्र में, गुंजन ने (48किग्रा) ने पोलैंड पर 5-0 से एकमत से जीत हासिल की। राधामणि लोंगजाम ने (57किग्रा) भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले राउंड में रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट (आरएससी) से इक्वाडोर की अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराया। हालांकि, प्राची (60किग्रा) स्लोवाकिया से 5-0 से हार गईं, जबकि प्रियांश सेहरावत को (70किग्रा) को पुरुषों के डिवीजन में मोरक्को से 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। बाद में शाम के सेशन में, चंद्रिका पुजारी (50 किग्रा) ने यूनाइटेड स्टेट्स पर 5-0 की एकमत से जीत के साथ भारत की जीत में एक और जीत जोड़ दी।

मोहम्मद सिराज: कभी न थकने वाला तेज गेंदबाज विदेशी पिचों पर भारत की सबसे बड़ी ढाल

नई दिल्ली। एक समान जोश और धैर्य के साथ आक्रामक तरीके मौजूदा समय में कोई तेज गेंदबाज लंबा स्पेल डाल सकता है, तो उसमें पूरी दुनिया में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। सिराज कभी न थकने वाली अपनी जीवटता के लिए जाने जाते हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का जन्म 13 मार्च 1994 को सिकंदराबाद में हुआ था। उनके पिता ऑटो ड्राइवर थे। इसलिए एक क्रिकेटर के तौर पर उनकी यात्रा बेहद मुश्किल रही है। हालांकि देश के लिए खेलने की इच्छा और कड़ी मेहनत की वजह से वह मौजूदा क्रिकेट के शीर्ष गेंदबाजों में गिने जाते हैं।

सिराज ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र में की थी और 19 साल की उम्र में क्लब क्रिकेट खेलना शुरू किया था। सिराज की क्षमता ने 19 साल की उम्र में ही रणजी ट्रॉफी में उन्हें हैदराबाद के लिए डेब्यू करवाया। 2016-17 के रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के दौरान, वह 18.92 की औसत से 41 विकेट लेकर हैदराबाद के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। सिराज 2017-18 विजय हजारे ट्रॉफी में सात मैचों में 23 विकेट लेने के

साथ अग्रणी विकेट लेने वाले खिलाड़ी थे।

घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सिराज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2017 में टी20 से आगाज किया था। वनडे में उनका डेब्यू 2019 और टेस्ट में 2020 में हुआ था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू के बाद से सिराज ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है।

सिराज एक टीम मैन हैं। उनकी खासियत कभी न थकना है और टीम की हर जरूरत के समय उपलब्ध रहना है। एक तेज गेंदबाज के लिए 140 के आसपास की गति से लंबे स्पेल डालना मुश्किल होता है, लेकिन सिराज कभी नहीं कहते। भारत हो या विदेशी जमीन, सिराज को टेस्ट मैचों में बिना थके लगातार गेंदबाजी करते देखा जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के लंबे दौरों पर सिराज एकमात्र गेंदबाज होते हैं जो हर टेस्ट का हिस्सा होते हैं। हालिया ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरा भी इसका उदाहरण है। गति के साथ, स्विंग और उछाल सिराज को खतरनाक बनाती है। तीनों फॉर्मेट में कई बार भारत में या फिर विदेशी धरती पर वह अकेले दम पर टीम को मैच जिता चुके हैं।

21 जनवरी 2023 को, सिराज आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज बने थे। वह अब तक 45 टेस्ट मैचों में 139, 50 वनडे में 76, और 17 टी20 में 17 विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा, 108 आईपीएल मैचों में 109 विकेट ले चुके हैं। सिराज 2023 में एशिया कप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य रहे थे। वह वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल खेलने वाली टीम इंडिया का भी हिस्सा थे। सिराज टी20 विश्व कप 2024 और टी20 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। भविष्य में सिराज से भारतीय टीम को बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स खासकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में मैच विजयी प्रदर्शन की उम्मीद है।

युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश को टीएजीजी से मदद मिलेगी

नयी दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के तहत मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अपनी 169वीं बैठक के दौरान शीर्ष टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी और सुमित नागल के लिए आर्थिक मदद को मंजूरी दे दी है, साथ ही उभरते हुए खिलाड़ी दक्षिणेश्वर सुरेश को टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल करने की भी सिफारिश की है। यह एशियन गेम्स 2026 और डेविस कप 2026 क्वालिफायर के दूसरे राउंड जैसी विशेष प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टेनिस खिलाड़ियों की तैयारियों को ध्यान में रखकर किया गया है। एमओसी ने भांबरी के लिए फरवरी से सितंबर 2026 तक उनके प्रशिक्षण और कॉम्पिटिशन कैलेंडर को सपोर्ट करने के लिए 28.89 लाख रुपये के आर्थिक मदद पैकेज को मंजूरी दी, जिसमें एटीपी और ग्रैंड स्लैम कॉम्पिटिशन के 33 हफ्तो (231 दिन) के उनके अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ-साथ प्रोफेशनल सर्किट पर प्रशिक्षण भी शामिल है।

टीएजीजी के तहत, मंजूर की गई मदद भांबरी को निजी फिजियोथेरेपी सेवा के लिए सहयोग करेगी। यह सर्विस उनके फिजियो डेनियल हैच ट्रेनिंग और कॉम्पिटिशन के दिनों में देंगे, जो सितंबर में डेविस कप टाई और एशियन गेम्स 2026 जैसे जरूरी नेशनल कमिटमेंट्स से पहले दी जाएगी। भांबरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत अच्छी फॉर्म में हैं, 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के राउंड 3 और 2025 यूएस ओपन के युगल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं। वह अभी युगल में वर्ल्ड नंबर 23 और एशियन नंबर 1 रैंक पर भी हैं। एमओसी ने सुमित नागल को मार्च से अक्टूबर 2026 तक उनके अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिता कार्यक्रम में मदद के लिए 27.51 लाख रुपये की वित्तीय मदद को भी मंजूरी दी। नागल के कैलेंडर में एटीपी चैलेंजर इवेंट्स, एटीपी टूर इवेंट्स, एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट, रोलैंड गैरोस, विंबलडन और यूएस ओपन जैसे ग्रैंड स्लैम के साथ-साथ डेविस कप के दूसरे राउंड का मुकाबला और एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेना शामिल है। टीएजीजी ने नेन्सेल एकेडमी टेनिस स्कूल के जरिए मार्च से मई 2026 तक 70 दिनों के लिए नागल को कोचिंग सपोर्ट देने की सिफारिश की, जिसमें कोच साशा नेन्सेल और मिलोस गैलेसिक इस ज़रूरी ट्रेनिंग और कॉम्पिटिशन के समय में 28 साल के नागल को गाइड करेंगे। अभी एटीपी रैंकिंग में भारत के नंबर वन एकल खिलाड़ी, नागल वर्ल्ड नंबर 282 पर हैं, और 2024 में उनके करियर की सबसे अधिक रैंकिंग 68 है। चोट से वापसी के बाद, वह हाल ही में पुणे और दिल्ली में एटीपी 75 टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में पहुंचे और पिछले महीने बेंगलुरु में नीदरलैंड्स के खिलाफ डेविस कप टाई में भी भारत को प्रतिनिधित्व किया।

जेएन भैया ट्रॉफी: भोपाल, रीवा, उज्जैन और अन्य टीमों ने दर्ज की जीत

भोपाल। मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के भोपाल संभाग द्वारा आयोजित जेएन भैया ट्रॉफी के मुकाबले रोमांचक रहे। प्रतियोगिता में भोपाल, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर और नर्मदापुरम की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया।

पहले मैच में भोपाल ने जबलपुर को 29 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भोपाल ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 247 रन बनाए। कप्तान प्रथ्वीराज तोमर ने 82 रन की पारी खेली। जबलपुर की टीम 218 रन पर ऑलआउट हुई। गेंदबाजी में तनिष्क यादव ने 4 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में रीवा ने चंबल को 91 रन से हराया। रीवा ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 220 रन बनाए। रुद्रांश सिंह ने 79 रन की आक्रामक पारी खेली। चंबल की टीम 129 रन पर ऑलआउट हुई। त्रिपुरेश सिंह और ओंकारनाथ सिन्ह ने गेंदबाजी में अहम योगदान दिया।

तीसरे मैच में उज्जैन ने इंदौर को 6 विकेट से हराया। इंदौर की टीम 196 रन पर ढेर हुई, जबकि उज्जैन ने 19.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 197 रन बनाकर जीत दर्ज की। सूरज यादव और पार्थ साहनी ने क्रमश: 64 और 63 रन की पारियां खेलीं। ग्वालियर ने सागर को 8 विकेट से हराया। सागर ने 130 रन बनाए, जवाब में ग्वालियर ने 11.3 ओवर में 134 रन बनाकर जीत हासिल की। हर्षवर्धन सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पाँचवें मैच में नर्मदापुरम ने शहडोल को 7 विकेट से हराया। शहडोल 130 रन पर ऑलआउट हुई। नर्मदापुरम ने 17.3 ओवर में 136 रन बनाकर मैच जीत लिया। आयुष मंकर को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इन मुकाबलों में बल्लेबाजों और गेंदबाजों की बेहतरीन पारियां और सफल गेंदबाजी ने ट्रॉफी को रोमांचक बनाया।

स्पेशल खबर शहडोल के इस गांव में हर घर से निकलते हैं खिलाड़ी, आधुनिक मैदान बनने से युवा प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच और बेहतर सुविधाएं

मिनी ब्राजील विचारपुर को मिलेगा 5 करोड़ का अत्याधुनिक फुटबॉल ग्राउंड

शहडोल। भारत के मिनी ब्राजील के नाम से मशहूर शहडोल जिले के विचारपुर गांव के फुटबॉल खिलाड़ियों को अब सरकार की ओर से बड़ा तोहफा मिलने जा रहा है। फुटबॉल के प्रति समर्पित इस गांव के खिलाड़ियों के लिए सरकार सभी सुविधाओं से लैस आधुनिक फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण कराने जा रही है।

युवा एवं खेल कल्याण विभाग के माध्यम से करोड़ों रुपए की लागत से यह ग्राउंड बनाया जाएगा। जल्द शुरू होने वाले इस निर्माण कार्य को लेकर गांव के खिलाड़ियों और कोच में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। खिलाड़ियों ने इसके लिए देश के प्रधानमंत्री सहित शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

दरअसल, शहडोल जिले का विचारपुर गांव आज देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी मिनी ब्राजील के नाम से अपनी अलग पहचान बना चुका है। इस गांव के लगभग प्रत्येक घर से कोई न कोई खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेल चुका है। हालांकि, अब तक यहां खेल मैदान और अन्य आवश्यक खेल सुविधाओं की कमी के कारण खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए उचित मंच नहीं मिल पा रहा था, लेकिन अब सरकार ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से करीब 5 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से फुटबॉल ग्राउंड के निर्माण को मंजूरी दे दी है। सरकार की ओर से मिले इस बड़े उपहार से गांव के खिलाड़ियों में खुशी का माहौल है। खिलाड़ियों ने इसके लिए देश के प्रधानमंत्री सहित शासन और प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी एवं विचारपुर गांव निवासी सफदर हुसैन बोहरा ने बताया कि करीब 30 वर्ष पहले इस गांव में फुटबॉल खेल की शुरुआत हुई थी। संसाधनों की कमी और कई तरह की कठिनाइयों के बावजूद यहां के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और कौशल के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है। वर्ष 2023 में गांव के कुछ बच्चों को देश के प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर मिला था। उस दौरान बच्चों ने प्रधानमंत्री को बताया कि वे मिनी ब्राजील के नाम से प्रसिद्ध गांव विचारपुर के रहने वाले हैं। बच्चों का फुटबॉल के प्रति समर्पण देखकर प्रधानमंत्री भी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने इसका उल्लेख मन की बात कार्यक्रम सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक पॉडकास्ट कार्यक्रम में भी किया था।

बोहरा ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री के इस गांव और यहां के फुटबॉल खिलाड़ियों के प्रति विशेष लगाव का ही परिणाम है कि आज यहां के बच्चों को जर्मनी में फुटबॉल के गुर सीखने का अवसर मिला है। इसके साथ ही अब प्रशासन के माध्यम से करोड़ों रुपए की लागत से फुटबॉल ग्राउंड के उन्नयन के लिए भी बजट स्वीकृत किया गया है। उन्होंने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के सहयोग से गांव के बच्चों में खेल के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

विचारपुर गांव की कोच लक्ष्मी सईस ने भी इस पहल पर खुशी जाहिर करते हुए पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिनी ब्राजील विचारपुर का नाम लिया जाता है, तो लोगों के बीच इस गांव और यहां के फुटबॉल खिलाड़ियों के प्रति खास लगाव और सम्मान देखने को मिलता है। सरकार की ओर से गांव में फुटबॉल मैदान के निर्माण का निर्णय यहां के खिलाड़ियों के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे भविष्य में युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर मौका मिलेगा। पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी सानिया कुंडे ने कहा कि अत्याधुनिक फुटबॉल ग्राउंड मिलने से उनके खेल में और निखार आएगा। इससे खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और वे राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का हुनर दिखा सकेंगे। कुंडे को यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि यहां आधुनिक फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले खिलाड़ियों को सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ता था, लेकिन अब धीरे-धीरे सभी जरूरी सुविधाएं मिलने लगी हैं। जब देश-विदेश में हमारे क्षेत्र और मिनी ब्राजील विचारपुर का नाम लिया जाता है, तो हमें गर्व और खुशी महसूस होती है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अजय सोंधिया ने बताया कि विचारपुर गांव में लगभग हर घर से एक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेल चुका है, लेकिन अब तक सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ियों को अपने कौशल को प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच नहीं मिल पा रहा था। बड़े-बड़े देशों में जिस स्तर के आधुनिक फुटबॉल मैदान उपलब्ध हैं, वैसी सुविधाएं यहां न होने के कारण खिलाड़ियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। सरकार की ओर से मिलने वाली इस सुविधा पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि फुटबॉल ग्राउंड के निर्माण से निश्चित ही यहां के खिलाड़ियों को एक नई दिशा मिलेगी और आने वाले समय में यहां के बच्चे देश को एक अलग पहचान दिलाने में सफल होंगे।